Seventeenth Loksabha

an>

Title: Re. Relocating Medical Students in Indian Colleges due to impact of Ukraine-Russia War.

श्री धर्मवीर सिंह (भिवानी-महेन्द्रगढ़): सभापति महोदया, देश में मेडिकल शिक्षा दूसरे देशों के मुकाबले बहुत महंगी है । इसलिए हर वर्ष हजारों छात्र मेडिकल शिक्षा लेने हेतु विदेश में जाते हैं । सरकार को मेडिकल शिक्षा सस्ती करने हेतु सख्त कदम उठाने चाहिए । जनसंख्या के हिसाब से देश में डॉक्टरों की बहुत ज्यादा कमी है । हर वर्ष जितने डॉक्टर्स देश को मिलने चाहिए, उससे भी कई गुणा कम डॉक्टर्स निकलते हैं और जो निकलते हैं, उनमें से बहुत से विदेशों में चले जाते हैं । हाल ही में रशिया और यूक्रेन युद्ध के बाद हजारों की संख्या में मेडिकल छात्र, जिनमें कई अपने आखिरी साल में थे, तो कई पहले साल में थे, अपने देश आए थे । माननीय प्रधान मंत्री जी ने बड़ी सूझ-बूझ से उनको वहां से निकाला । इन छात्रों के माता-पिता ने लाखों रुपये खर्च करके इन्हें बाहर पढ़ने के लिए भेजा था । लेकिन युद्ध के बाद हालात सभी के सामने हैं । सरकार ने आखिरी साल वालों को यहां एडजस्ट करने की बात की है । लेकिन जो हजारों छात्र पहले व दूसरे साल की पढ़ाई कर रहे थे, उनके बारे में क्या सोचा है? सरकार को अपने देश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीट बढ़ा कर इन सभी छात्रों को एडजस्ट करना चाहिए, ताकि इन छात्रों के साल बर्बाद न हों । इसके अलावा इनके माता-पिता की सालों की कमाई बर्बाद न हो सके और देश को अच्छे डॉक्टर्स मिल सकें । चूंकि वहां गरीबी के कारण सस्ती पढ़ाई थी, इसलिए सरकार कुछ न कुछ अपने केन्द्रीय बजट में से या प्रदेश के बजट में से उन परिवारों की भी मदद करें, ताकि वे बच्चे पूरी तरह से पढ़ाई करके हेल्थ के मामले में देश की सेवा कर सकें । धन्यवाद ।